रात्रिक्लास 19.3.68 ओमशान्ति शिवबाबा याद है?

राजाओं के कॉन्फ्रेन्स देहली में भी होती होगी। कब बरौदा, कब भावनगर करते होंगे। बाबा ने समझाया था राजाओं को तुम ऐसे समझाये सकते हो। वह भी आवेंगे। उनको खैंचने लिए समझाया जाता है। तुम बच्चे नये–2 विचार निकाल चित्रों को भी ठीक कर सकते हो। जगदीश कर सकते हैं। सीढ़ी में भी अच्छी समझाानी है। कोई को तो वण्डर लगेंगे बहुत अच्छे हैं ,बहुत अच्छे हैं, हम आवेंगे। फिर खुलास। कोई तो आवेंगे, आकर समझेंगे। आगे सिंधी लोग कितने विरुद्ध थे। समझते काल आया है। सन्नाटा हो गया। इतने सभी चले गये। कोई को समझ में न आया। बच्चे समझते हैं कल्प पहले भी ऐसे हुआ था। समझना चाहिए ना। वह थोड़े ही समझते हैं इनमें सर्वशक्तिवान बाप ही कमाल है। वह समझते थे जादू है। यह जादूगर भी है, तो रत्नागर भी है। धोबी भी है। सभी एक्टिविटी चलते हैं। बच्चों के लिए तो बहुत सहज है। कल्प–2 यही हूबहू एक्टिविटी चली थी। नई बात नहीं। कल्प पहले भी ऐसे ही हुआ था। अफ़सोस की बात नहीं। अफ़सोस किया तो जैसे वह मूर्ख वैसे तुम भी मूर्ख। इसमें अफ़सोस की बात ही नहीं। बाप समझते हैं वह अवस्था अभी नहीं है। आगे चल कर वह अवस्था होगी। तुम बच्चों को शिक्षा मिलती है जाने का है। यह शरीर छोड़ना है। पावन बनेंगे तो आत्मा उड़ने लगेगी। पावन बने और वापस चले जावेंगे। जो भी मनुष्य मात्र हैं सभी की आत्माओं को पार्ट मिला हुआ है। इतनी छोटी सी बिन्दी में 84 का पार्ट है। कोई की बुद्धि में बैठ न सके। तुम हीर जाते हो भाईयों को ज्ञान देते हैं। बाप बच्चों को देते हैं। यह टेव पड़ जानी चाहिए। मेहनत की बात है। आत्मा समझ भाई–2 के रूप में देखना है। तुम भी भूल जाते हो। यह है बड़ी ते बड़ी मेहनत। सारी प्रैक्टिस है गुप्त। अपने एक्टिविटी को खुद की समझ सकते हैं। हरेक आत्मा को अपने को चेक करना है। अपन को आत्मा समझ आत्मा को देखना यह प्रैक्टिस करेंगे तब समझेंगे यह बात तो बिल्कुल ठीक है। इतना समय हमारा वेस्ट गया। बाबा ऐसे नहीं कहते हैं बाप बन जाओ। बच्चे सभी जानते हैं। बाबा का 84 का पार्ट थोड़े ही है। वह तो हमको मिला है। हां, बाबा का पार्ट सबसे ऊँच है। सारा दिन अपने से बातें करना चाहिए। स्टुडेन्ट की बुद्धि में भी सब्जेक्ट रहती है। मुख्य बात बाप को याद करना है। नॉलेज भी सहज है। तुम पुरुषार्थ करते रहते हो। ड्रामा के प्लैन अनुसार। आत्मा में ज्ञान धारण होता जाता है। फिर तुम बच्चों को औरों को सुनाना है। यह सभी बातें बुद्धि में रहती हैं। हम बाबा के बने हैं। हम कंगााल थे। अभी बेहद के बाप ने एडॉप्ट किया है। वह हमको पढ़ाई से यह बनाते हैं। बाप ने समझाया है याद से ही विकर्म विनाश होंगे। बाप ने समझाया है भक्तिमार्ग में भी तुम आशुक थे ना। कहते भी हैं हम पतित हैं, हमको पावन बनाओ। बाप की याद और पढ़ाई दोनों चलनी चाहिए। कर्म करते फिर जितना समय मिले याद कर सकते हो। ड्राईवर को अटेन्शन गाड़ी चलाने में देना पड़े। जो बैठे हुये हैं उनको तो याद में रहना चाहिए ना। याद से ही हम पवित्र बनेंगे। ऐसे–2 प्रैक्टिस करते रहने से फिर प्रैक्टिस हो जावेगी। तुम जानते हो हम दैवी फूल बन रहे हैं। यह भी पता है कोई कैसा फूल है–कोई कैसा फूल है। पढ़ाई के ऊपर भी है। समझा सकते हैं हम फलाना फूल बनेंगे। प्रैक्टिस रहनी चाहिए। जानते भी हैं कोई किंग फ्लावर, कोई कैसा है। पढ़ाई से समझा जाता है। बनेंगे तो कल्प पहले मुआफ़िक़ ही। जितना जो समझेंगे उतना वह ऊँच पद पावेंगे। आगे चल कर इशारे ही समझाते जावेंगे। तुमको जास्ती बोलना नहीं पड़ेगा। तुम्हारी योगबल से ताला खुलता जावेगा। टाइम बहुत थोड़ा है। अच्छा, मीठे–2 सिकीलधे बच्चों प्रति रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाइट। मीठे–2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।